प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर विश्वविद्यालय से 13 कार्मिक सेवानिवृत्त

पंतनगर। 31 अगस्त 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय से आज 13 कार्मिक सेवानिवृत्त हुए, जिनको डा. रतन सिंह सभागार में आयोजित समारोह में भावभीनी विदाई दी गई। विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप, ने सभी सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किये। उप-वित्त नियंत्रक, डा. जे.सी. बडोला, ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर अधिष्ठाता पशुचिकित्सा, डा. वाई.पी.एस. डबास, भी मंचासीन थे।

कुलपति, डा. तेज प्रताप ने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से सभी सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिको के योगदान और सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूँ। उन्होंने कहा कि उन लोगों ने पंतनगर के उत्पाद, यानि विद्यार्थियों, की जिन्दगी बनायी, जिनमें से कईयों ने विश्व की विभिन्न संस्थाओं में उच्च पद पर रहकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। डा. प्रताप ने कहा कि यह चिन्ता का विषय है कि बड़ी संख्या में कर्मचारी विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उन्होंने सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों से कहा कि वे अपनी जिन्दगी को जिन्दादिली से जियें और स्वस्थ्य रहें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को जब आवश्यकता होगी तो अवश्य ही सेवानिवृत्त कर्मियों की सेवायें ली जायेंगी, क्योंकि वे विश्वविद्यालय के थे, हैं, और सदैव रहेंगे। डा. प्रताप ने सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के सुखी एवं मंगलमय जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर डा. एस.एच. चावला, समन्वयक, प्रवेश अनुभाग, एवं डा. वाई.पी.एस. डबास ने भी सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों को शुभकामनाएं दीं। सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों में से डा. डी.पी. तिवारी, डा. एस.एन. मूर्ति, श्री फहीम उद्दीन, श्री मोहम्मद हसीन खान एवं श्री रमेश चन्द्र शर्मा ने भी अपने उद्गार प्रकट किये।

आज सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों में डा. डी.पी. तिवारी एवं डा. एन.एस. मूर्ति, प्राध्यापक; श्री फहीम उद्दीन, सहायक निदेशक; श्री रमेश चन्द्र शर्मा, वैयक्तिक सहायक; श्री मोहम्मद हसीन खान, सहायक लेखाधिकारी; श्री रेवाधर भट्ट, प्रशासनिक अधिकारी; श्री बलिन्दर, ट्रैक्टर चालक; श्री जयराम, पम्पचालक; श्री रईस, फिशरमैन; श्री प्रेमबल्लभ कापड़ी एवं श्री मोहन सिंह, कुक; तथा श्री राजनन्द एवं श्रीमती सालो कृषि श्रमिक, सम्मिलित थे।

सेवानिवृत्त हो रहे कार्मिकों के साथ कुलपति, डा. तेज प्रताप एवं अन्य वैज्ञानिक व अधिकारी।